www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
वार्षिक शुल्क : ₹ 530

सत्यमेव जयते

रोज़गार समाचार

साप्ताहिक

खंड 44 अंक 50 पृष्ठ 32 | नई दिल्ली 14 - 20 मार्च 2020 | ₹ 12.00

सार्वजनिक संस्थाओं में इंटर्नशिप के अवसर

विजय प्रकाश श्रीवास्तव

इस तथ्य पर जोर हमेशा दिया जाता है कि हमारी शिक्षा समग्र और व्यावहारिक होनी चाहिए. अभी भी हमारे देश की शैक्षिक प्रणाली में, पाठ्यक्रम को सिद्धांत की ओर बहुत अधिक खींचा गया है. लेकिन अब चीजें बदल रही हैं और हाल के वर्षों में कई संस्थान व्यावहारिक या उद्योग जोखिम के महत्व को महसूस कर रहे हैं. यह एक अच्छा कदम माना जाता है. हमारे देश में काम करने वाले व्यवसाय और उद्योग हमारे छात्रों की व्यावसायिक शिक्षा के बाद भी नौकरी के लिए तैयार नहीं होने का मुद्दा उठाते रहे हैं. इस अंतर को पाटने के लिए, विभिन्न स्तरों पर विभिन्न कार्यनीतियां तैयार की गई हैं. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और अन्य ऐसे निकाय इस बात का पक्ष लेते हैं कि उनके द्वारा मान्यताप्राप्त पाठ्यक्रम वास्तविक जीवन स्थितियों के करीब होने चाहिएं.

इंटर्नशिप पहले से ही कई व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए अनिवार्य है. यहां तक कि ऐसे मामलों में अब छात्रों को अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण से लैस करने और कॉर्पोरेट दुनिया की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नौकरी के लिए तैयार उम्मीदवारों को उपलब्ध करने के लिए अधिक गंभीरता दिखाई जा रही है. ज्यादातर इंटर्नशिप एमबीए और बीई/बीटेक आदि जैसे पाठ्यक्रमों का एक अभिन्न अंग मानी जाती है. हालांकि, अवसर उन लोगों के लिए उपलब्ध हैं जो इसे अपनी शिक्षा में जोड़ने के लिए स्वयं करना चाहते हैं और हो सकता है कि इससे पहले कि वे अंततः रोज़गार प्राप्त करें, समय का प्रभावी उपयोग उपलब्ध हो.

कॉरपोरेट्स और अन्य संगठनों द्वारा इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना उद्योग-अकादमिक भागीदारी का एक हिस्सा माना जाता है. कई मामलों में, विशेष रूप से गर्मियों के महीनों के दौरान, कई बड़ी और मझली कंपनियां इंटर्नशिप के लिए उम्मीदवारों को स्वीकार करती हैं, जिसके लिए नामांकन शैक्षणिक और व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों द्वारा किया जाता है. हालांकि, कई खुले अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें से कुछ राष्ट्रीय आसन्न संस्थाओं और देश में अन्य प्रसिद्ध सरकारी संगठनों में हैं. इच्छुक उम्मीदवार इन उत्कृष्ट अवसरों के लिए आवेदन कर सकते हैं. नीचे आपको शीर्ष संस्थानों द्वारा प्रस्तुत किए गए ऐसे कुछ अवसरों का विवरण मिलेगा.

भारतीय रिजर्व बैंक : भा.रि.बैं. हमारे देश का केंद्रीय बैंक और बैंकिंग नियामक है. यह केंद्रीय बैंकिंग में नए अनुसंधान के लिए इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करता है. यहां इंटर्न को आरबीआई शोधकर्ताओं की टीम के साथ काम करने और सहयोग करने का अवसर मिलता है. आरबीआई के कई विभाग हैं और यहां इंटर्न आर्थिक और नीति अनुसंधान, सांख्यिकी और सूचना प्रबंधन, कार्य नीति अनुसंधान इकाई, अंतर्राष्ट्रीय विभाग या वित्तीय स्थिरता इकाई में रखे जा सकते हैं. योग्यता के संदर्भ में प्रत्येक विभाग की विशिष्ट आवश्यकता हो सकती है. उदाहरण के लिए, वित्तीय स्थिरता इकाई के लिए प्रशिक्षुओं से व्यावहारिक अर्थशास्त्र पर जोर देने के साथ सांख्यिकी / अर्थमिति / वित्त में स्नातकोत्तर योग्यता रखने की आशा होती है. अन्य विभागों के लिए विचार की जाने वाली योग्यता में अर्थशास्त्र / सांख्यिकी/बैंकिंग/इकोनॉमिक्स / अंतर्राष्ट्रीय व्यापार / अंतर्राष्ट्रीय संबंध में मास्टर डिग्री शामिल है.

आवेदन पत्र वर्ष में दो बार आमंत्रित किए जाते हैं और आवेदन प्रक्रिया के तहत, उद्देश्य का विवरण (एसओपी) निर्धारित आवेदन पत्र के साथ जमा करना होता है. इंटर्नशिप की अवधि
6 महीने है जिसे शुरू में अन्य 6 महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है और आगे आरबीआई के विवेक पर बढ़ाया जा सकता है. इंटर्नशिप मुंबई में है. आरबीआई का मुख्यालय भी मुंबई में है.

नेशनल बैंक फोर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) : नाबार्ड, जैसा कि नाम से पता चलता है यह कृषि के वित्तपोषण में भूमिका निभाने और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए स्थापित है. जिन छात्रों ने कृषि, कृषि-व्यवसाय, सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र और प्रबंधन में स्नातकोत्तर अध्ययन का प्रथम वर्ष पूरा कर लिया है और जो कानून में पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम के 4 साल पूरा कर चुके हैं उन्हें नाबार्ड के छात्र इंटर्नशिप कार्यक्रम में शामिल होने के लिए योग्य माना जाता है. राज्य व्यापी कोटा है. उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग उनकी योग्यता के आधार पर की जाती है और इन शॉर्टलिस्ट उम्मीदवारों को चयन समिति के समक्ष उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया जाता है. अंत में चयनित उम्मीदवारों को एक विशेष विषय पर अपना अध्ययन पूरा करना होता है जिसे नाबार्ड द्वारा सौंपा जाता है. कुछ सांकेतिक विषय वित्तीय समावेशन, कृषि संकट आदि हैं. नाबार्ड द्वारा अनुमति दिए जाने पर उम्मीदवार अपना विषय चुन सकते हैं. छात्र इंटर्नशिप की अवधि 8 से 12 सप्ताह के बीच है.

नाबार्ड की एक शोध इंटर्नशिप योजना भी है. यह शोध इंटर्नशिप अर्थशास्त्र, कृषि, कृषि प्रौद्योगिकी, वित्त, प्रबंधन आदि में 40 वर्ष की आयु तक के पीएच.डी. धारक और स्नातकोत्तर के लिए खुली है. कार्य अनुभव कोई पूर्व शर्त नहीं है. हालांकि आवेदक की अनुसंधान क्षमता का वर्णन करने वाले दो संदर्भों को आवेदन के साथ प्रस्तुत करना होगा. आवेदक की शॉर्टलिस्टिंग सीवी, संदर्भ, उद्देश्य के विवरण और प्रकाशनों को देखकर होती है. अंतिम चयन व्यक्तिगत साक्षात्कार पर आधारित होता है. यह शोध इंटर्नशिप 6 महीने की न्यूनतम अवधि के लिए किया जाता है और दो वर्ष तक चल सकता है.

सेंटर फॉर एडवांस्ड फाइनेंशियल रिसर्च एंड लर्निंग (सीएएफ-आरएएल): रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रवर्तित मुंबई में सीएएफआरएएल बैंकिंग, अर्थशास्त्र और वित्त में एक शोध संस्थान है. इसका फोकस बैंकिंग, वित्त और सूक्ष्म अर्थशास्त्र के क्षेत्रों पर है. इसने हाल ही में विश्व बैंक के साथ संयुक्त रूप से 'वित्तीय क्षेत्र में राज्य कार्यक्रम' पर एक सम्मेलन आयोजित किया. केंद्र को सीएएफआरएएल शोधकर्ताओं और अनुसंधान आगंतुकों के साथ काम करने के लिए इंटर्न की आवश्यकता होती है. इंटर्नशिप मामला प्रति-मामला आधार पर स्नातकों के लिए खुली हैं. हालांकि वरीयता अर्थशास्त्र / सांख्यिकी / वित्त / डाटा एनालिटिक्स / इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस में स्नातकोत्तर को दी जाती है. जो उम्मीदवार आवेदन करने के समय पीएच.डी. कर रहे हों उन्हें भी योग्य माना जाता है.

संस्थान में पूर्णकालिक अनुसंधान एसोशिएट्स के लिए प्रदर्शन और उपलब्ध अवसरों के आधार पर इंटर्न पर विचार किया जा सकता है. पिछले इंटर्न्स में से कुछ शोध एसोशिएट शिकागो, एमआईटी, टेक्सास विश्वविद्यालय, वाशिंगटन विश्वविद्यालय आदि जैसे प्रसिद्ध विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन के लिए गये हैं.

इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च (आईजीआई-डीआर): मुंबई में यह उन्नत अनुसंधान संस्थान एक मान्य विश्वविद्यालय है और अर्थशास्त्र और वित्त में मूल्यवान पाठ्यक्रम संचालित करता है. यह भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित है. संस्थान में हर वर्ष गर्मियों में 45 दिनों की अवधि के लिए अतिथि छात्रों का कार्यक्रम होता है. यह एमए/एमबीए/ एमकॉम/एमएससी/मास्टर-सांख्यिकी तथा तीसरे वर्ष के इंजीनियरी (बीई/बीटेक) छात्रों के लिए खुला है. आवेदन प्रक्रिया में छात्रों से अपना जीवन-वृत्त, अपनी अनुसंधान रुचि को स्पष्ट करने वाला एक विवरण, उस पर इस कार्यक्रम के लिए विचार क्यों किया जाए और वह कार्यक्रम के दौरान क्या प्राप्त करने की आशा रखता है आदि पर विवरण देना अपेक्षित है और साथ ही जहां उम्मीदवार वर्तमान में अध्ययन कर रहा है उस संस्थान से एक अनुशंसा पत्र संलग्न करना होगा.

भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडी-एआई): जैसा कि नाम से पता चलता है, आईआरडीएआई हमारे देश में बीमा नियामक है, जिसका कार्यालय हैदराबाद में है. संगठन आईआईटी/आईआईएम/ केंद्रीय विश्वविद्यालयों / राष्ट्रीय विधि स्कूलों और इसी तरह के संस्थानों में स्नातक और स्नातकोत्तर के अंतिम पूर्व वर्ष के छात्रों को 2 से 3 महीने की इंटर्नशिप प्रदान करता है. यह इंटर्नशिप विनियामक दृष्टिकोण से बीमा के विभिन्न क्षेत्रों को कवर करती है और प्राधिकरण के हैदराबाद कार्यालय में होती है. जीवन और गैर-जीवन बीमा, जोखिम प्रबंधन, सूक्ष्म-बीमा आदि के क्षेत्रों में काम करने के इच्छुक लोग इंटर्नशिप कर सकते हैं.

राष्ट्रीय सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान: बेंगलुरु में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, विभिन्न सामाजिक विज्ञान विषयों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करता है. संभावित इंटर्न अपने स्नातकोत्तर कार्यक्रम कर रहे हों हालांकि, मामले के गुण के अनुसार, जो छात्र हाल ही में पोस्टग्रेजुएशन पूरा कर चुके हैं या एम.फिल की पढ़ाई कर रहे हैं उन पर भी विचार किया जा सकता है. इंटर्नशिप के लिए सामान्य अवधि दो महीने है. सांकेतिक क्षेत्रों में सामाजिक जनसांख्यिकी, जनसंख्या अध्ययन, श्रम बाजार, विकास अध्ययन आदि शामिल हैं. संस्थान कर्नाटक-हैदराबाद क्षेत्र के छात्रों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करता है. सामाजिक विज्ञान में अकादमिक और अनुसंधान अभिविन्यास वाले उम्मीदवारों को यह इंटर्नशिप दिलचस्प लगेगी.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक कोऑपरेशन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट: उपरोक्त की तर्ज पर, एनआईपीसीसीडी जो महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन है, के बेंगलुरु, लखनऊ, इंदौर, गुवाहाटी और नई दिल्ली कार्यालयों में भी इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध हैं, इन्टर्नशिप मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के लिए खुली है. इस इंटर्नशिप का उद्देश्य छात्रों को महिला और बाल विकास योजनाओं के साथ-साथ सरकारी सहायता से चलने वाले कार्यक्रमों में प्रशिक्षण और अनुसंधान की समग्र प्रक्रिया को समझाना है. इस इंटर्नशिप का कम से कम आधा समय क्षेत्र के कार्य के लिए समर्पित होना चाहिए. यह इंटर्नशिप भी दो महीने की है.

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई): एसईबीआई, शेयर बाजार नियामक और कंपनियों में कार्पोरेट अभिशासन कार्य निपटान देखता है तथा अपने मुंबई मुख्यालय में इंटर्नशिप के अवसर

(शेष पृष्ठ 2 पर)

सार्वजनिक ...

(पृष्ठ 1 का शेष)

प्रदान करता है. केवल वे छात्र जो पूर्णकालिक पीएचडी के लिए पंजीकृत हैं यह इंटर्नशिप कर सकते है. सेबी के साथ इंटर्नशिप वित्तीय नियमों, अनुपालन, कॉर्पोरेट अभिप्रशासन, निवेशक शिक्षा, विलय और अधिग्रहण आदि जैसे विषयों में रुचि रखने वालों के लिए आदर्श है.

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक : हम सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को बैंकिंग सेवा प्रदाता के रूप में जानते हैं. उपरोक्त संगठनों की तरह, इनमें से कई बैंक इंटर्नशिप के व्यापक अवसर प्रदान करते हैं. अपनी बैंकिंग जरूरतों के लिए हम में से अधिकांश, अपने आसपास के क्षेत्र में या जहां हमारा खाता है, उस बैंक शाखा से संपर्क करते हैं. हालांकि इंटर्नशिप को शाखा स्तर पर निपटाया नहीं जाता है और किसी को इसके लिए बैंक के मुख्य कार्यालय या नियंत्रण कार्यालय से संपर्क करना पड़ता है. इंटर्नशिप नीतियां हर बैंक में भिन्न हो सकती हैं. अवधि एक से 6 महीने तक हो सकती है. इंटर्नशिप के लिए उपलब्ध क्षेत्रों में कॉर्पोरेट क्रेडिट, कार्यशील पूंजी मूल्यांकन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण/ कृषि / स्वयं सहायता समूह आदि, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, वित्तीय समावेशन, वित्तीय साक्षरता, बैंकों का विलय, विकास बैंकों, विपणन रणनीतियों, प्रदर्शन मूल्यांकन, प्रशिक्षण और विकास, आदि के माध्यम से लागू की गई योजनाएं शामिल हो सकती हैं.

इंडिया सेंटर फॉर माइग्रेशन (आईसीएम): आईसीएम, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की एक पंजीकृत सोसायटी है. यह अंतर्राष्ट्रीय प्रवास से संबंधित मामलों पर थिंक टैंक के रूप में काम करती है. आईसीएम अंतरराष्ट्रीय प्रवास और पूर्व प्रस्थान उन्मुखीकरण प्रशिक्षण और कौशल पर अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करती है. यहां इंटर्नशिप की अवधि एक वर्ष है. इंटर्नशिप राष्ट्रीय राजधानी में स्थित है. इंटर्नशिप की संख्या बहुत कम हैं .

उपरोक्त इंटर्नशिप में से कुछ वृत्तिका ग्राही हो सकती हैं. इंटर्नशिप की अवधि के लिए बाहरी उम्मीदवारों को कुछ मामलों में आवास भी प्रदान किया जाता है. हालांकि, महत्वपूर्ण देश के प्रमुख राष्ट्रीय संगठन के साथ इंटर्निंग का अधिक महत्व है. इंटर्नशिप के बारे में अधिसूचनाएं उचित समय पर संबंधित संगठन की वेबसाइट पर डाल दी जाती हैं.

ऊपर एक सांकेतिक सूची है. आप निश्चित रूप से अधिक सरकारी संगठनों और सार्वजनिक संस्थानों के साथ इंटर्नशिप के अवसर प्राप्त कर सकते हैं.

अपनी पसंद की इंटर्नशिप कैसे प्राप्त करें:

एक विशेष इंटर्नशिप चाहने का आपका उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए और जब भी और जहां भी आवश्यक हो, आपको इसे उचित रूप से समझाने में सक्षम होना चाहिए. इंटर्नशिप घोषणा को ध्यान से पढ़ें और आवेदन करने से पहले सुनिश्चित करें कि आप पात्रता मानदंड पूरा करते हैं. संबंधित आवेदन या उद्देश्य विवरण रोचक एवं स्पष्ट बनाने के लिए अच्छा मसौदा तैयार किया जाना चाहिए. यदि अन्य सवालों के बीच एक प्रीइन्टर्नशिप साक्षात्कार होता है, तो आपसे निम्नलिखित पूछे जाने की सबसे अधिक संभावना है (1) आपको इस इंटर्नशिप में क्यों दिलचस्पी है या आप इस इंटर्नशिप को क्यों करना चाहते हैं, और (2) आपकी इंटर्नशिप से संगठन कैसे लाभान्वित होने वाला है.

अपनी इंटर्नशिप को सर्वश्रेष्ठ बनाना : किसी भी प्रतिष्ठित संगठन में इंटर्नशिप का अवसर प्राप्त करना एक सौभाग्य है. जो बहुत से लोगों के पास नहीं हो सकता. इंटर्नशिप चाहने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है और मांग और उपलब्ध अवसरों में अंतर बढ़ता जा रहा है. जिन छात्रों को इंटर्नशिप करनी है, वे अपने कोर्स की आवश्यकता के रूप में इसे एक औपचारिकता या अनुष्ठान के रूप में मानते हैं, और इसे गुणात्मक रिपोर्ट सीखने या उत्पादन करने की जहमत के बिना किसी भी तरह पूरा करना चाहते हैं. नुकसान सिर्फ उनका है.

आपको अपनी इंटर्नशिप को सर्वश्रेष्ठ देने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ अपनी इंटर्नशिप को गंभीरता से लेने और इससे अधिकतम सीखने की जरूरत है. निम्नलिखित बिंदु इसमें आपकी मदद करेंगे-

- आप इंटर्नशिप के विषय और इसकी प्रासंगिकता, संदर्भ और उद्देश्य को समझें
- विस्तृत संदर्भ में विषय का अन्वेषण करें. उदाहरण के लिए, यदि इंटर्नशिप किसी विशेष संगठन में प्रदर्शन मूल्यांकन प्रथाओं पर है, तो पता करें कि प्रदर्शन मूल्यांकन में नए रुझान क्या हैं, अन्य संगठन यह कैसे कर रहे हैं, आदि.
- अधिक से अधिक संसाधनों की सहायता और उन्हें स्वीकार करें
- अपने गाइड के परामर्श से इंटर्नशिप पूरा करने के लिए चरण-दर-चरण दृष्टिकोण तैयार करें
- इंटर्नशिप में सभी चरणों (डेटा संग्रह, क्षेत्र का दौरा, रिपोर्ट लेखन आदि) के लिए एक समयबद्ध योजना बनाएं.
- आपने गाइड के साथ आपका संचार फ़ोकस और निरंतर संपर्क होना चाहिए, और ज्यादातर मामलों में उम्मीदवार द्वारा पहल करने की आवश्यकता होती है

आपकी इंटर्नशिप खुद एक अंत नहीं है. इसे अपनी समझ, परिपक्वता और संचार कौशल को विकसित करने के अवसर के रूप में माना जाना चाहिए ताकि आप वह प्राप्त कर सकें जो आप जीवन में आगे करना चाहते हैं.

(लेखक मुंबई स्थित कॅरिअर काउंसलर हैं. ईमेलः v2j25@yahoo.in)

व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं.

(चित्रः गूगल के सौजन्य से)